LNMUonline.com

R.B. (Non-Hindi) (Sc. & Com.)

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. 'रश्मिरथी' के कृष्ण का चरित्र-चित्रण करें। 10

अथवा, 'रश्मिरथी' का कथ्य प्रस्तुत करें।

2. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेप करें : 15

मनुष्य-रूपी तलवार की धार चरित्र है। अगर इस धार में तीक्ष्णता है तब वह तलवार भले ही लोहे की हो, अपने काम में अधिक कारगर सिद्ध होती है। इसके विपरीत, यदि इस तलवार की धार मोटी है, भद्दी है तब वह तलवार, सोने की ही क्यों न हो, हमारे किसी काम के नहीं हो सकती है। इसी प्रकार, यदि किसी का चरित्र ही नष्ट हो गया हो, तब वह मनुष्य मुर्दे से भी बदतर है, क्योंकि मुर्दा तो किसी और मनुष्य का बुरा नहीं कर सकता है, पर एक चरित्र भ्रष्ट मनुष्य अपने साथ रहनेवालों को भी अपने ही रास्ते पर ले जाकर अवनति एवं सत्यानाश के भयावने गड्ढे में ढकेल सकता है।

3. 'नीम हकमी खतरे जान।' इस कथन को पल्लवित करें। 10

4. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं पाँच को शुद्ध करें : 5

(क) शोक है कि आपने मेरे पत्र का उत्तर नहीं दिया।

(ख) दुष्यन्त शकुन्तला की सौन्दर्यता से आकृष्ट हो गये।

(ग) अनेकों बार यह देख चुका हूँ।

(घ) सत्य का विजय होता है।

(ङ) बाघ और बकरी एक घाट पानी पीती है।

(च) राजपथ की सड़क से झाँकियाँ लाट गई।

(छ) मुझको इससे कोई नाता-रिश्ता नहीं।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें : LNMUonline.com 10

(क) 'रश्मिरथी' में कितने सर्ग है?

(ख) 'रश्मिरथी' के नायक का नाम लिखें।

(ग) कर्ण-परशुराम-संवाद 'रश्मिरथी' के किस सर्ग में है?

(घ) 'कृष्ण-कर्ण-संवाद' 'रश्मिरथी' के किस सर्ग में है?

(ङ) 'मानव जब जोर लगाता है' वाक्यांश 'रश्मिरथी' के किस सर्ग का है?